

1. 345

अथ कारिष्ये जातन गुरुमलायमयसीदय ॥ ४८००० ॥ यद्यथककल्या रुनक्षाय ॥ कावकवाभवा
रमायश्चरकोयका मजायवा ॥ यकगुरुजातनस्य डयमानकलहय ॥ ९००० ॥ डनका
यसीकामधानकरकहय ॥ ॥ कमयसीडयययदुन्नकारहय ॥ ॥ वाहमानकरकहय ॥ ॥
मथययिमथययिहैकैरकहय ॥ ॥ यवस्योमकिवलक ॥ ॥ ककोयाकाजयमानकसंख्या ॥

॥ ह म वं क शृं ग ह य ॥ यी क शृं ग ह य ॥ य क य क न क १००००० ॥ आ य म वं क शृं ग ह य ॥ य क य क शृं ग का शृं ग
विष्णु र ह य ॥ स म वं य वं क ड य वं ॥ व ह म य ह य ॥ के ला स मा धु न ह य ॥ मा हा मा हा य व य मा हा ना कि मा
हा मा या ह य ॥ ग ल ग म य व क क म ल य ॥ म ज्ञा क क म स वं क क ह य ॥ वि शा डि क व क थ मा हा य य य दा य क ॥
वृ कानि स म वं विष्णु य शृं ग ह य ॥ स म वं क दा कि न का वा ॥ जं य व क ह य ॥ य क र क जा क न ह य १००००० ॥

गु वि दि य न वा द ह द य म वं सा ॥ ग म र ह द य म वं द य ॥ मि र मि वि दि य क मा दि य क र वं द य मि वि दि य पु ह
का दि य ॥ क वू दि य धु मि क स गु वि दि य या यि वि ॥ य या विष्णु र वृ डि जा क न क वू दि य १००००० ॥ यि या स मू द न हा य
डा वा ह ॥ ग डि म हा का मि जा क न म र दि य १०००००० ॥ दि या स मू द न हा या डा वा ह ॥ ग डि म य का मि जा क
न मि वि मि वि दि य १४०००००० ॥ दि या स मू द न हा या डा वा ह ॥ ग डि म नि क डि जा क न क र वं द य १२०

य॥ १०००००००॥ एककाकिडाऊन कर्मकी शुभयमानहय॥ १०००००००॥ सरकाठिकाऊन मयः
 मेशाडिकाकयमानहय॥ ४०००००००॥ दसकाकिडाऊन कर्मकी शुभलीनसंकायमानहय॥ १
 १००००००००॥ ये॥ कर्मका मरीवकायमानहय॥ एकशुभ साककाठिकाऊन यमानहय॥ ११००
 ००००॥ शुधिमिमशुधिर आसनदिशादिशा यमानहय॥ शुधिमिमशुधिर कर्मदेनाहय॥ २॥

माहायाजाहूदहय॥ ॥ मकिमकाकिदवसा माहायहमहय॥ ३३००००००॥ शुधामिगहय
 यश्वरमाहायहय॥ एकमहसजाऊन शिवावेसावहय॥ १०००॥ माहायोदहजमवहमहय
 ॥ १६॥ कवनकवनजमवहमहय॥ ॥ विशावसाजमवहमहय॥ कवाजनाजमवहमह
 य॥ ॥ नवसासनजमवहमहय॥ ॥ धर्ममृत्युनामजमवहमहय॥ ॥ शुधकारजमवहमहय॥

॥ ध्यायनाम मङ्गलम् ॥ १ ॥ ॥ वृत्तादध्यायनाम मङ्गलम् ॥ २ ॥ ॥ कात्यायना
मङ्गलम् ॥ ३ ॥ ॥ श्रीलायायनाम मङ्गलम् ॥ ४ ॥ ॥ श्रीशंकायनाम मङ्गलम् ॥ ५ ॥ ॥ शंकरना
मङ्गलम् ॥ ६ ॥ ॥ श्रीकृत्युक्तायनाम मङ्गलम् ॥ ७ ॥ ॥ श्रीकृत्युक्तायनाम मङ्गलम् ॥ ८ ॥ ॥ श्रीश्रीमाहिषा
वचनामङ्गलम् ॥ ९ ॥ ॥ नादावाजावरनकहकहय ॥ यथासह मुद्राकुनवरुनोवकिपूरीकायया

रक्षागनसाधनमः॥ अथकृपाङ्गयमान॥ नैशक॥ ॥ वाचदत्तक॥ १२०००००॥ श्रानवः
 यु॥ २६००००॥ कृपाङ्गयमान॥ ॥ यकृकवर्किनीन॥ ३॥ कवनयक॥ वागन॥ २॥
 यशुमान॥ २॥ शीशमवडु॥ ३॥ सशयवदशमहय॥ १००००॥ ॥ यदयव॥ शदयकिम॥ १
 ३००००॥ आयवयदशमहय॥ १००००॥ गानयनाकययक॥ २॥ १॥ अकियमकाश

॥ १ ॥ माथेयदकर ॥ ॥ दुवीशरसाके ॥ ॥ येन्यविश्वायदह ॥ १ ॥ यायविश्व
याय ॥ २ ॥ वायकीन ॥ ३ ॥ यकवायविजय ॥ ४ ॥ वीनवायननिय ॥ ५ ॥ याजाकवकयकसं
सा ॥ ६ ॥ कवनकवनराजा ॥ ७ ॥ यायधमायाजा ॥ ८ ॥ ध्वंमालराजा ॥ ९ ॥ अययजा ॥ १० ॥ क
मिपुत्राजा ॥ ११ ॥ याविरयाजा ॥ १२ ॥ विक्रमयाजा ॥ १३ ॥ हरिवरुदाजा ॥ १४ ॥ वाहिसमयाजा

लाककामंभुलकायांवाविस्कारदय ॥ ६६००० ॥ इहस्यमिमंभुलकायांवाविस्कारदय ॥ यक
लकयीजनडयवदय ॥ १००००० ॥ वधमंभुलकाकिमहसजाजनकायांवाविस्कारदय ॥ ३००००
वधमंभुलडयवसानिश्चरमभुलदय ॥ एकवक्रयाजनडयवदय ॥ १००००० ॥ अथनालिमहस
जाजनगानिश्चरमंदरकायांवाविस्कारदय ॥ ॥ सानिश्चरमभुलडयवराक्रमभुलदय ॥ यकलक

योजनद्वयसहस्र ॥ १००००० ॥ अथासिगदयज्ञाजनवाद्मधुबकाशंवाविष्कासहस्र ॥ ६६००० ॥ या
हमधुबद्वयसहस्रमधुबहस्र ॥ एकसहस्रयोजनद्वयसहस्र ॥ १००००० ॥ एकसहस्रयोजनककमधुब
काशंवाविष्कासहस्र ॥ १०० ॥ ककमधुबद्वयसहस्रमधुबहस्र ॥ कसहस्रककविष्कादि ॥ ककमधुः
सहस्र ॥ एकलकयोजनद्वयसहस्र ॥ १००००० ॥ किन्नकिन्नसहस्रहस्र ॥ ॥ कीमस

हमकाजनयकयकाकाशंवाविष्कासहस्र ॥ ३०००० ॥ एकयकलकनकाजनवायुमधुबकाशंवाविष्कासह
स्र ॥ १००००० ॥ मयसायिकमधुबद्वयसहस्र ॥ एकसहस्रयोजनद्वयसहस्र ॥ १००००० ॥ एक
॥ १००००० ॥ एकमधुबद्वयसहस्र ॥ एकसहस्रयोजनद्वयसहस्र ॥ १००००० ॥ एक
सहस्रयोजनविष्कासहस्र ॥ १००००० ॥ दवदानवकाशंवाविष्कासहस्र ॥ ॥ विम

[illegible]

वह गये मोक्षमाना यमान निमित्त समाप्त ॥ ॥ शुभमस्तु ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥
 अथ कविह गवर्धमान यमान निमित्त ॥ ॥ कविह गवर्धमान ॥ वकि गवर्धमान दय ॥ ४३
 १००० ॥ ॥ मयि यच्च महेश्वर ॥ १००० ॥ बह्विध गवर्धमान ॥ १००० ॥ मान्दवकादय ॥
 साहसिनश्च ॥ आयवववववववववव ॥ १२० ॥ अस्मिन्मन्त्रावाचनकम् ॥ १२१ ॥ कोथमन्त्र

दशविंशति ॥ ॥ दशधर्मविश्वराज ॥ ६ ॥ रायविश्वराज ॥ ७ ॥ यकवाचविश्वराज ॥ ८ ॥ धर्मधर्म
नीय ॥ ॥ शुद्धधर्म ॥ ॥ शिवायुधधर्म ॥ ॥ शिवायुध ॥ ॥ युद्धधर्म ॥ ॥ विरुद्धधर्म ॥ ॥
॥ राजाकवकधर्म ॥ १० ॥ कवनकवनराजा ॥ ॥ साधननिवाहनराजा ॥ ११ ॥ शक्ति कमा
राजा ॥ १२ ॥ अष्टधर्मराजा ॥ १३ ॥ विजयमार्जितराजा ॥ १४ ॥ श्रीमराजा ॥ १५ ॥ विजयमराजा ॥ १६ ॥ मदि

राजा कुरु सयक ॥ १ ॥ कवन कवन राजा ॥ २ ॥ मन युव राजा ॥ ३ ॥ रुच राजा ॥ ४ ॥ अंध कुंभ
ज ॥ ५ ॥ गानि राजा ॥ ६ ॥ मान के का राजा ॥ ७ ॥ का विव राजा ॥ ८ ॥ रुड राजा ॥ ९ ॥ उरु राजा य
ह्य रुग सु वरु क ॥ १० ॥ ॥ एवं मकरु गथ मानालिपिक समाय ॥ ॥ ॥ पुर ॥ ॥

ASNA ARCHIVES

5/1/34 4/1/34

1.345

ASNA ARCHIVES